

इस बार सामान्य रहेगा मॉनसून

- सुंदरराजन पद्मानाभन

18 अप्रैल, नई दिल्ली (इंडिया साइंस वायर) : भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को आगामी दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून ऋतु के बारे में घोषणा करते हुए मॉनसून के सामान्य रहने की संभावना जताई है। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. के.जे. रमेश ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह मानसून के पहले चरण का दीर्घकालीन पूर्वानुमान है और दूसरे चरण के पूर्वानुमान जून के शुरू में जारी किए जाएंगे।

डॉ. रमेश के मुताबिक जून के पहले पखवाड़े में ही ऋतुओं पर आधारित राष्ट्रव्यापी पूर्वानुमान जारी किए जाएंगे, जिसमें पूरे देश के बरसात (जुलाई-अगस्त) के मासिक पूर्वानुमान शामिल रहेंगे। इसके अलावा देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के औसत मासिक वर्षा (जून से सितंबर) से जुड़े पूर्वानुमान भी जारी किए जाने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा है कि इस वर्ष दुनिया भर में मौसमी भविष्यवाणियों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि भूमध्य-रेखा और हिंद महासागर में समुद्री सतह के तापमान की स्थिति के संबंध में काफी अनिश्चितताएं देखी गई हैं।

इस बात के संकेत भी मिले हैं कि मानसून के उत्तरार्ध में प्रशांत महासागर के ऊपर तापमान सामान्य से अधिक हो सकता है। इसका अर्थ यह है कि उस समय कमजोर अल-नीनो परिस्थिति बन सकती है। अल-नीनो की स्थिति आमतौर पर भारतीय मानसून के लिए अच्छी नहीं मानी जाती, हालांकि एक दूसरे का परस्पर संबंध रहा है।

हिंद महासागर में इंडियन ओशन डिपोल (आईओडी) नामक घटनाक्रम भी भारतीय मॉनसून को प्रभावित करता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार सकारात्मक आईओडी का बेहतर प्रभाव मानसून पर पड़ता है, जबकि नकारात्मक आईओडी का असर इसके विपरीत देखा गया है। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल आईओडी स्थिर है, जो इस बात का संकेत है कि मॉनसून के मध्य में यह सकारात्मक आईओडी में तब्दील होकर कई महीनों तक बना रह सकता है।

वैज्ञानिकों का कहना यह भी है कि समय के साथ अल-नीनो और आईओडी से जुड़ी परिस्थितियां बदल भी सकती हैं। डॉ. रमेश ने कहा है कि 'हम इस बदलाव पर नजर बनाए हुए हैं और अल-नीनो एवं आईओडी के विस्तार के साथ हमें ज्यादा सूचनाएं मिलती रहेंगी, जिसके आधार पर जून के शुरुआती दिनों में मौसम संबंधी दूसरे पूर्वानुमान पेश किए जा सकेंगे, जो ज्यादा सटीक साबित हो सकते हैं।

(इंडिया साइंस वायर)

* भाषांतरण : उमार्शंकर मिश्र